ten als Hotar, Adhvarju u. s. w. genannt sind, TBa. 3, 12, 5, 1. 5. Schol. zu Kâts. Ça. 288, Anm. 541, 7. Pankav. Ba. 25, 4, 2. Çâñes. Ça. 10, 16, 1. Die Formel steht Taitt. Âa. 3, 3. — Vgl. श्रामिः, चतुर्देशत्र (die Formel steht Taitt. Âa. 3, 2; vgl. auch TBa. 3, 12, 5, 1. 5), द्शं , यन्त्र , खुर्डात्र (die Formel steht Taitt. Âa. 3, 4), सप्तः (die Formel steht Taitt. Âa. 3, 5. 6), सु॰, स्वयं॰, देशत्क, देशत्क.

क्तिच्य (von 1. क्र.) adj. zw opfern: आक्रिति Ait. Ba. 7,21. Gandas. 1, 16. सिम्ध: Jién. 1,302. सिर्पपायुतम् Pankan. 3,14,39. dem zw opfern ist: अग्नि Vanie. Bae. S. 46,24. n. impers. Haniv. 297. ig. Beic. P. 4,14,6.

हातुरत्तेवासिन् (comp.) m. der Schüler eines Hotar P. 6,3,23, Schol. हात्क (von हात्र्) m. so v. a. हात्रक Çat. Ba. 13,5,4,24. 6,2,18. 7,4,13. Schol. zu Kâtu. Ça. 627,15. 772,5. °एष्ठ Lâțu. 2,9,4. °सामन् 4,5,12. 6,2,26.

कातुकर्मन् n. das Werk des Hotar Âçv. Ça. 8,13,30.

होत्चम m. Schüssel des oder der Hotar Air. Ba. 2,30. TS. 6,5, s. 2. Çar. Ba. 3,9,8,16. 8,24. 4,2,1,29. Âçv. Ça. 5,6,3. 9. 14. Klij. Ça. 9,3,15. 4,20. 35. 12,3. 10,7,1. 24,3,41.

কানুরাথ m. die murmelnde Recitation des Hotar (gemeint ist die Formel Âçv. Ça. 5, 9, 1) Air. Ba. 2,38. Nia. 7,31.

होत्व (von होत्र) n. das Amt des Hotar Çat. Ba. 1,4,3,1. Art. Ba. 1,2. Verz. d. Oxf. H. 54,b,11.

केंत्मत् (wie eben) adj. mit einem Hotar versehen: यज्ञ RV. 10,41,2. कातुर्वेष n. = कातुर्वेष Çar. Br. 1,8,4,20.

होत्वूर्य n. Hotar-Wahl RV. 1,31,3. 6,70,4. Âçv. Ça. 1,3,27.

होत्विद् m. der Voda d. h. das Ritual des Hotar Sis. zu Air. Ba. 6,1. Schol. zu Kirs. Ça. 12,3,15.

होत् बैंदन n. der Sitz des Hotar (vgl. Comm. zu Kits. Ça. 3,1,1. वे-दिश्रीएग्रां बहिर्वेदि Comm. zu Âçv. Ça. 3,1,20): नि होती होत्पूष्टिन श्र-सद्त् R.V. 2,9,1. A.V. 7,99,1; vgl. TBa. 3,7,5,13. Âçv. Ça. 1,3,30. 3, 1,20. Çat. Ba. 1,5,1,23. fg. 2,5,3,30. Kits. Ça. 3,1,1. 5,4,33. Khind. Up. 1,5,5.

হাসন (von হাস) m. 1) Gehilfe des Hotar, im weitern Sinne Bez. sämmtlicher Hauptpriester. Nach dem Comm. zu Âçv. Ça. 1,2,26 heissen so in den Sutra die zwölf Rtvig nach Abrechnung der vier Hauptpriester (मৃত্য), nicht aber eine Sieben- oder Dreizahl (s. unter

होता रू). Air. Ba. 2, 36. प्रापोता होजनापी मैत्रावह्णाः 6, 6. die drei (nach Comm.) s. 13. fg. मुख्यान्य्याचीत्रकाः Åçv. Ça. 5,6,17. शिल्लापाः heissen Praçàstar, Bråhmanåkkhamsin und Akkhavåka (vgl. Såi. zu Air. Ba. 2,36) 10,10. 18,13. 16,1. 6,1,1. 4,1. 7,4,1. 8,2,1. 9,5,5. 10,4. 10,10,10. Gauj. 1,23,12. die drei Çâñku. Ça. 7,7,6. 14,4. 25,13. 13,10,5. — 2) N. pr. eines Sohnes des Kańkana Buág. P. 9,15,3. — Vgl. चतुर्कात्रका.

क्रात्रम m. in der Stelle: बभू वुक्तात्रमा: सर्वे वेदवेदाङ्गपारमा: MBu. 2, 1240 feblerbaft für क्रात्रक. सप्तसंख्या: NILAK.

কারদ্বাসবৃদ্ধি f. Titel einer Schrift Notices of Skt Mss. 2,230. কারবঁকু adj. Opfer führend R.V. 5,26,7.

কাসলাকন m. N. pr. eines Brahmanen MBs. 3,987. eines Rágarshi 5,6037. fgg.

1. हैं। त्रा (von 1. ङ) f. Priesteramt, insbes. die Function der sog. Hotraka; übertr. die Personen dieser Priester selbst: ह्यात्राणामायतीना-मच्छावाकीपाट्येयत Air. Ba. 2,36. श्रक्ता 6,1. प्रजापतेवी एषा ह्यात्रा य-द्रावस्तात्रीया 2. 13. (g. 21. प्रतिष्ठिता ह्यात्रा य्देकांहिका: 8,4. Åçv. Ça. 9,2,5. ह्यात्रा: संयज्ञति Çâñeu. Ba. 13,6. 15,1. 23,4. 29,8. सदस्या Çar. Ba. 14,2,4,29. (gg. 3,6,2,9. 8,6,4,11. Райбаv. Ba. 7,2,2. 18,9,16. sieben 12,13,5. ह्यात्रासमास उत्ता ब्राह्मणीत Làग्र. 10,12,14. (g. TS. 5,2,2,3. Кать. Ça. 9, 11,3. ंचमस 12,14. Çar. Ba. 4,2,4,31. P. 5,1,135 (= स्विज् Comm.).

2. होत्रा (von क्र = ह्वा) f. Anrufung, = वाच् क्रावंध. 1,11. = यज्ञ 3,17. = स्तृति ÇKDa. ohne Angabe einer best. Aut. होत्री देवेषु ग्रह्मित हुए. 1,18,8. होत्रीभिर्धा मनुष: सिमेन्धत 36,7. का र्राधहोत्री 120, 1. 122,9. 129,7. प्र होत्रीपा शिम्पा वीश श्रध्म 151,3. 2,2,8. 4,2,10. 48,1. 7,60,9. या वा केत्रिंग परिकिनोमि 104,6. 8,12,20. इष्टा केत्रिंग श्रम्तत 8,82,23. 90,8. होत्रीमृतुद्या बुद्धत बनाय 10,40,4. येभ्या हेत्रिंग प्रमामीयेज मनु: 63,7. होत्रीमित्त देवह्रितिभि: ११८८४४. उर्धा होत्री प्रमामीयेज मनु: 63,7. होत्रीमित्त देवह्रितिभि: ११८८४४. उर्धा होत्री प्रमामीयेज मनु: 63,7. होत्रीमित्त देवह्रितिभि: ११८८४४. उर्धा होत्री प्रमामीयेज मनु: स्वात्री: स्प. 10,17,11; vgl. TBa. 3,5,8,1. TS. 2,6,8,2. नोखमेन न होत्रीभ: सर्वी: स्वीकृत्ति प्रज्ञा: so v. a. dwrch gute Worte MBB. 3,1832. Personificirt neben Bharatl, 144, Sarasvatt हुए. 1, 22,10. 2,1,11. 3,62,3 und in den Åpri-Liedern 1,142,9 u. s. w.

होत्राविंद् adj. die Anrufung kennend RV. 5,8,3. 10,15,9.

क्रांत्राशांसिन् m. (die Rolle eines Hotraka recitirend: क्रांतृत्वे समुत्पन्नाः क्रिया क्रांत्रास्ताः शंसित्त Sis. zu Ait. Ba. 6,21. क्रांत्रा so v. a. क्रामः, तमाशंसित्तं zu 14) Bez. der Gehilfen des Hotar, Hotraka: कस्माद्केा-तृभ्यः सद्भा क्रांत्राशंसिभ्या क्रांता यत्तद्ति प्रेष्यति Ait. Ba. 6,14. 21. Åçv. Gaus. 1,23,12. Çiñku. Ba. 29,8. Suapv. Ba. 2,4. ígg. Çiñku. Ça. 5,1,9. Schol. zu Kits. Ça. 627,14.

केात्रिन् 🛭 श्रियः

क्रेर्जिय (von क्रात्र्) adj. den Opferer betreffend, n. das Amt des Priesters: स्रापा न देवीकृषं पत्ति क्रेजियम् इ.V. 1,83,2. nach Sis. die Sohussel des Hotar.

क्राजीय (wie eben) adj. dem Hotar oder den Hotraka gehörig u. s. w.: आशिस् TS. 3,2,4,2. धिष्ठ्य ÇAT. Ba. 9,4,2,7. Kátj. Ça. 18,6,11. n. = क्वियेंक् H..996.

र्काम (von 1. क्र) Unabis. 1,139. m. und n.(1) Sidds. K. 249,a,14. das

VII. Theil.